



भारतीय नौसेना ने पूरे किये हरति पहल कार्यक्रम के चार वर्ष

संदर्भ

इस विश्व पर्यावरण दविस पर भारतीय नौसेना ने अपने हरति पहल कार्यक्रमों (Green Initiatives Program) के चार वर्ष पूरे किये। भारतीय नौसेना ने पर्यावरण हतिषी और ऊर्जा दक्ष प्रणाली की दशा में कई नीतियाँ बनाकर लागू की हैं जिसके परिणामस्वरूप सभी नौसैनिक अड्डों पर बेहतर परिणाम हासिल हुए हैं। नौसेना ने 'भारतीय नौसेना पर्यावरण संरक्षण रोडमैप' (Indian Navy Environment Conservation Roadmap) को अपनाया है, जिसके तहत नौसेना पर्यावरण को ध्यान रखते हुए अपनी समुद्री क्षमताओं में वृद्धि कर रही है।

हरति पहल कार्यक्रम (Green Initiative Program)

भारतीय नौसेना ने औपचारिक रूप से 05 जून, 2014 को, विश्व पर्यावरण दविस के अवसर पर 'हरति पहल कार्यक्रम' को राष्ट्रीय ऊर्जा के साथ नौसैनिक डोमेन के सभी क्षेत्रों में, पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण लक्ष्यों को एकीकृत करने की विचारधारा के साथ अपनाया। इसके अंतर्गत एक 'व्यापक भारतीय नौसेना पर्यावरण संरक्षण रोडमैप' (INECR) को, इकाइयों/प्रतिष्ठानों द्वारा लघु, मध्यम और लंबी अवधि के लक्ष्यों के साथ लागू किया गया था।

महत्त्वपूर्ण बट्टि

- शून्य कार्बन के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से पर्यावरण हतिषी तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।
- नौसेना ने अपने कार्यालयों को पेपरलेस बनाने की दशा में कई कदम उठाए हैं। कागज की खपत को कम करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिये सूचना तकनीक की मदद से डिजिटल तौर-तरीके अपनाए जा रहे हैं।
- नौसेना ने 16,000 की संख्या में वृक्षारोपण किया है, जिससे अनुमानित तौर पर 324 टन कार्बन डाईऑक्साइड कम होगी।
- नौसैनिक अड्डों पर ऊर्जा की खपत कम हो, इसके लिये समय-समय पर ऑडिट कार्य किया जा रहा है।
- नौसेना के एक बेहद महत्त्वपूर्ण अड्डे पर पछिले वित्त वर्ष की तुलना में 11 फीसदी ऊर्जा की खपत कम हुई है।
- नौसेना विश्व पर्यावरण दविस 2018 को 'बीट प्लास्टिक पोल्यूशन' यानी प्लास्टिक से होने वाले कचरे को समाप्त करना, थीम के साथ मना रही है।
- नौसेना ने अपनी 95 फीसदी सट्रीट लाइटों को एलईडी लाइट से बदल दिया है। 21 मेगावॉट की सौर परियोजनाओं पर काम चल रहा है।
- केंद्र सरकार के जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन (JNNSM) के तहत 2022 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने की दशा में नौसेना भी सराहनीय योगदान दे रही है।

विश्व पर्यावरण दविस

- सारी दुनिया में 5 जून को विश्व पर्यावरण दविस के रूप में मनाया जाता है।
- यह दविस वर्ष 1972 में मानव पर्यावरण वषिय पर स्टॉकहोम में आयोजित सम्मलेन की याद में मनाया जाता है।
- इस दनि को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1972 में की थी लेकिन पहली बार विश्व पर्यावरण दविस 5 जून, 1974 को मनाया गया था।
- इसका उद्देश्य पर्यावरण सुरक्षा के बारे में लोगों को जागरूक करना है।
- इस बार 45वाँ विश्व पर्यावरण दविस मनाया जा रहा है।

निष्कर्ष

एक विकासशील राष्ट्र और दुनिया के आधुनिक प्रगतिशील रक्षा बल के रूप में हमें अपने परिवेश तथा अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों का संज्ञान लेना आवश्यक है। समग्र कार्बन उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना 'हमारी अगली पीढ़ियों के लिये ग्रीनर और क्लीनर भविष्य' (Greener and Cleaner future for our next generations) सुनिश्चित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने के लिये हरति पहल (Green Initiative) का अनुसरण करते हुए मार्च करने को 'तैयार एवं प्रतिबद्ध' है। भारतीय नौसेना द्वारा हरति लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये किया जाने वाला अथक प्रयास, ऊर्जा के क्षेत्र में पर्यावरण स्थिरता और आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय हितों को बढ़ाने में सहायता करेगा।

